and the backward areas of Rajasthan and Gujarat. I am therefore, appealing to the Government to see that some steps are taken to protect them from this kind of permanent harassment.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Sir, I would like to associate myself.

It is true that people are encroaching upon land illegally. But on the other hand, we have a Government which says that it wants to encourage handicrafts. These are women who are making a living for themselves. At least, they are not begging. They are trying to keep their mind and body together.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): वीणा वर्मा जी और सुश्री पांडेय जी का नाम भी इससे सम्बद्ध किया जाता है। डा॰ वाई॰ लक्ष्मी प्रसाद जी, आप एक मिनट में बोलिये।

श्री विष्णुकान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): महोदय, एक मिनट की बात नहीं है। उनको बोलने का अवसर दिया जाए। फिर थोड़ा सा मुझे भी बोलने का अवसर दिया जाए।

RE: CENTENARY CELEBRATIONS OF SHRI SURYAKANT TRIPATHI 'NIRALA'

डा॰ वाई॰ लक्ष्मी प्रसाद (आन्ध्र प्रदेश): महोदय, अगर सरकार इस ओर ध्यान देगी तो एक मिनट भी बात करने की आवश्यकता नहीं है। महोदय, 1945 में जिस कवि ने इस देश में जो शोषित, पद-दलित और दबे हुए हरिजन लोग हैं, उनके लिए आवाज़ उठाई थी, उस कवि की जन्म-शताब्दी मनाने के लिए इस सरकार के पास समय और पैसा नहीं है। समाज की उस शोषित विधवा के बारे में उन्होंने जो कविता लिखी है और भिक्षुक के बारे में जो चित्र खींचा है कि—

"वह आता,

दो टूक कलेजे के करता,

पछताता पथ पर आता।"

श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिन्दी प्रांत के नहीं थे। वे बंगाल के सुपुत्र थे लेकिन हिंदी के छायावाद, प्रगतिवाद और रहस्यवाद के मूर्धन्य कवि हैं। उनकी जन्म-शताब्दी मनाने के लिए इस सरकार के पास समय और पैसा नहीं है। पिछले साल मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्यों ने उनकी जन्म-शताब्दी मनाने के लिए सरकार से आग्रह किया था लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं किया गया है। आदरणीय जनेश्वर मिश्र जी सदन में मौजूद हैं, मैं उनसे प्रार्थना करता हूं कि वे इस ओर सरकर का ध्यान दिलाएं। धन्यवाद।

श्री विष्णुकांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मानव संसाधन विकास विभाग की स्थाई समिति में मैंने इस संबंध में एक प्रस्ताव दिया था और मानव संसाधन विकास मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया था कि वे इस पर कार्यवाही करेंगे लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक कोई काम नहीं हो सका है। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि मैं लिखित रूप से यह बात उनके सामने रखूं। महोदय, कलकत्ता में जो निराला जन्मशती समारोह समिति है, मैं उसका अध्यक्ष हूं। उसकी तरफ से मैंने उनको प्रस्ताव दिया है, मैं यह चाहता हूं कि सारा सदन इस बात का समर्थन करे कि हिन्दी के आधुनिक सबसे बड़े कवि पंडित सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जो कि वास्तव में राष्ट्रीय कवि हैं, का देश मे बड़े पैमाने पर जन्म शती समारोह मनाया जाएगा और उसके लिए यह न कहा जाए कि सरकार के पास पैसा नहीं है। मैं आपके माध्यम से इस सरकार से अपील करता हूं कि सारे देश में बड़े पैमाने पर निराला जी का जन्म शती समारोह मनाया जाए। पश्चिमी बंगाल के महिषाद में जहां वह पैदा हुए वहां उनकी मूर्ति स्थापित की जाए। मेरे मित्र डा॰ विप्लव दासगुप्त ने और मेरे मित्र श्री सोमनाथ चटर्जी जी ने मुझे आश्वासन दिया है कि अगर केन्द्रीय सरकार वहां मूर्ति देगी तो वह उसको स्थापित कराएंगे, उसके रखरखाव की चेष्टा करेंगे।

माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे बहुत ही लज्जा के साथ कहना चाहता हूं कि मैं उनके पैतृ ग्राम गढ़ाकोला में खुद गया था। वहां निराला जी के नाम पर एक प्राथमिक विद्यालय है जिसमें फटा हुआ टाट बिछा हुआ था। मैं आपसे शपथपूर्वक कहता हूं कि वहां निराला जी के नाम पर एक पुस्तकालय है जिसमें एक भी पुस्तक नहीं थी। मैं बहुत ही लज्जा के साथ कहता हूं कि वहां निराला जी के नाम पर एक प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र है जिसमें टूटी हुई कुर्सियां थी, एक टूटी हुई अलमारी थी जिसमें दवाइयां नहीं थी। यह अगर निराला जी के साथ

हो सकता है तो दूसरे बड़े कवियों का सम्मान हमारा देश कैसे करेगा? मैं आपसे यह प्रार्थना करता हूं कि आप स्वयं इसमें हमारा सहयोग करें और निराला जी का जन्मशती समारोह सम्मान के साथ सारे देश में मनाया जाए। उनके जन्म स्थान महिषादल में उनकी पर मूर्ति स्थापित की जाए जिसका समर्थन विप्लव बाबू ने किया है और उनके पैतृक गांव की तीनों संस्थाओं का उन्नयन किया जाए, इसकी व्यवस्था होनी चाहिये।...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): कृपया बैठ जाएं मैं आप सब की तरफ से बोल देता हूं...(व्यवधान) बहुत से माननीय सदस्य इस पर बोलना चाहते हैं। मैं आप सब की तरफ से शासन से कहना चाहूंगा कि पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला राष्ट्रकवि रहे हैं...(व्यवधान) मैं आप सबकी तरफ से बोल देना चाहता हूं।...(व्यवधान) आपका नाम भी आ गया। उन्होंने अपनी लेखनी का पूरी शक्ति के साथ उपयोग किया। इसलिए जो मांग माननीय सदस्यों ने उठाई है उसकी तरफ शासन को गंभीरता से फैसला करना चाहिये। ...(व्यवधान)

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश): जब हम आजादी की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं तो एक योजनाबद्ध...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): अब यह बात हो गई, मैंने आपकी तरफ से कह दी।

श्री विष्णुकांत शास्त्री : माननीय मंत्री जी यहां उपस्थित हैं। सरकार की तरफ से कुछ कह दें...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): वह खड़े हो गए हैं। मंत्री जी का आश्वासन सुनने के लिए आप तो बैठें।

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): उपसभाध्यक्ष महोदय, सदस्यों ने और एक तरह से माननीय सदन ने निराला जी के बारे में जो राय जाहिर की और उनकी जन्मशती मनाने के बारे में जो मंशा जाहिर की मैं उससे निजी तौर पर सहमत हूं। निराला जी का ज्यादातर समय इलाहाबाद में गुजरा है और मैं भी इलाहाबाद शहर में रहता हूं। मैं उनके सम्पर्क में भी कभी-कभी दर्शनार्थ जाया करता था और प्रभावित भी था। समाजवादी होने के नाते गरीब के प्रति, दुखी के प्रति जो उनके मन में पीड़ा होती थी मैं उस पीड़ा से प्रभावित भी रहता था। माननीय सदस्यों ने जो सवाल उठाया है मानव संसाधन विकास मंत्री को उनकी मंशा जल संसाधन मंत्रालय की तरफ से जरूर पहुंचा दी जाएगी। वैसे मानव संसाधन और जल संसाधन तभी ठीक से चलता है जब तक कि वह प्रवाह में रहता है और हम समझते हैं कि निराला जी के विचार सशक्त प्रवाह में हैं।

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Now we will take up the Special Mentions. Shri V. Ranjan Chellappa. He is absent. Shri John F. Fernandes:

Air Pollution due to Adulterated Petrol and Diesel.

SHRI JOHN P. FERNANDES (Goa): Mr. vice-chairman, Sir, a recent report says that Delhi, among the metropolises in the country, is the most polluted. Delhi has a vehicle population equal to that of calcutta, Madras and Bombay and the pollution is not only because of traffic population but it is also because of adulteration. The main pollutant in the metropolies in the country is the adulteration of petrol and diesel.

Sir, when the Delhi Government told certain scooter companies to use non-polluting mechanisms, there was some objection and we encouraged these companies to be there in our country because they captured the market in the past and they objected to the new technology coming in the market. The main problem with this pollution lies in our statute, the control of Oil Act. You see, kerosene is freely available in the market and kerosene is freely given to the so-called industries which do not exist. This kerosene is being taken outside and mixed with petrol and diesel. The Government also has control. I don't know what made the Government to control furnance oil. It is the cheapest fuel in the country. It is cheaper than kerosene. This can be supplied to the industries if they are involved in any production activity. But there are industries all over India, including in my